सहकारी संस्थाएं अब नवाचार व आत्मनिर्भरता का माध्यम : शाह

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र: केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में कहा कि भारत में सहकारी संस्थाएं अपनी पारंपरिक सीमाओं से परे बढ़ चुकी हैं और अब डिजिटल सेवाओं, ऊर्जा और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में नवाचार और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन गई हैं। शाह ने सोमवार को 'सहकारी और सतत विकास गति बनाए रखना और नए रास्तों की खोज' विषय पर एक विशेष स्मारक कार्यक्रम में पूर्व-रिकार्डेड वीडियो संदेश में कहा, 'भारत में सहकारिता एक जीवंत और सामुदायिक-प्रेरित प्रणाली है जो कृषि से लेकर वित्त, उपभोग से लेकर निर्माण और ग्रामीण सशक्तिकरण से लेकर डिजिटल समावेशन तक आपसी सहयोग और लोकतांत्रिक भागीदारी के माध्यम से हर क्षेत्र को समाहित करती है। यह ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों में सम्मानजनक आजीविका प्रदान करने का एक शक्तिशाली माध्यम बन जाती है।'

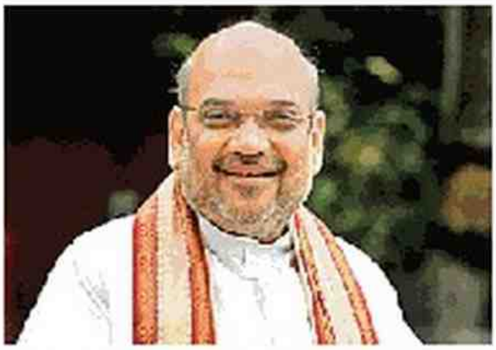

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह

- केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह का संयुक्त राष्ट्र को संदेश
- कहा-भारत में सहकारिता जीवंत व सामुदायिक-प्रेरित प्रणाली

Downloaded from
SAMVAD